16. संधि

संधि का अर्थ होता है– मेल या जोड़। व्याकरण में दो वर्णों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है या नया शब्द बनता है, उसे संधि कहते हैं। जब संधि युक्त शब्द के पदों को अलग-अलग किया जाता है तो उसे संधि-विच्छेद कहते हैं।

शिक्षण-संकेत

- ❖ छात्रों से संधि के बारे में पूछें।
- ❖ छात्रों को संधि के बारे में बताते हुए वर्णों में संधि करना सिखाएँ।
- ❖ संधि के भेदों पर चर्चा करें और उसके तीनों भेद– स्वर संधि, व्यंजन संधि तथा विसर्ग संधि स्पष्ट करें।
- ❖ स्वर संधि के पाँचों भेदों से छात्रों को अवगत कराएँ।
- ❖ समझाएँ, स्वर संधि स्वरों के मिलने पर होती है। इनके नियमों का अभ्यास करने से इन्हें आसानी से समझा जा सकता है।
- ❖ पृष्ठ 136-142 तक स्वर संधि के सभी पाँचों भेदों को विस्तार से समझाते जाएँ।
- ❖ व्यंजन संधि तथा विसर्ग संधि समझाएँ।
- ❖ सुनिश्चित करें कि छात्र संधि भली-भाँति समझ गए हैं।
- ❖ अभ्यास के मौखिक प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें।